No. of Printed Pages : 5

BHMCT–103

B. A. (HONOURS) (PERFORMING ARTS) HINDUSTANI MUSIC (BAPFHMH)

Term-End Examination

December, 2024

BHMCT–103 : FUNDAMENTALS OF HINDUSTANI MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Please adhere to the word limit strictly while answering the questions.*

Note : Attempt any *ten* questions within **500** words each : 10×10 =100

1. Define Moorchhana and give a detailed account of the types of Moorchhana. Explain Moorchhana in Shadaj and Madhyam Grama.

2. Explain the Shadaj Gramin Shruti-Swar system as propounded by Bharata.

3. Describe the content of the treatise 'Sangeet Ratnakar'.

4. Describe the chapter of musical instruments in 'Sangeet Parijaat'.

5. Define Jaati and explain about various types of Jaati prevalent in the ancient times.

6. Write about the ten fold classification of Ragas in ancient times.

7. Explain 'Thaat-Raga' classification propounded by Pt. V. N. Bhatkhande.

8. Explain the characteristics of Kalyan and Sarang Raagangas.

9. Write elaborately about the contribution of A. H. Fox Strangways in propagating Indian Music to the Western World.

10. Write in detail about the role of Raja Sourindra Mohun Tagore in the rejuvenation of Indian Classical Music.

11. Write an elaborated note on the efforts of Pt. V. N. Bhatkhande for collection of compositions of classical music.

12. When and how was Bilawal acknowledged as the Shuddha Scale of Hindustani Classical Music ? Explain in detail.

BHMCT–103

बी. ए. (ऑनर्स) (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत

(बी.ए.पी.एफ.एच.एम.एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2024

बी.एच.एम.सी.टी.–103 : हिन्दुस्तानी संगीत के मूलभूत तत्व

समय : 3 घण्टे अधिकतम अंक : 100

नोट : *कृपया अपना उत्तर शब्द-सीमा में सीमित रखें।*

नोट : निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर लगभग **500** शब्दों में लिखिए। 10×10=100

1. मूर्च्छना की परिभाषा दीजिए तथा इसके प्रकारों को बताते हुए षड्ज तथा मध्यम ग्राम की मूर्च्छना के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।

2. भरत द्वारा बताई गई षड्ज ग्रामीण स्वर श्रुति व्यवस्था की व्याख्या कीजिए।

3. 'संगीत रत्नाकर' ग्रंथ की सामग्री का विवरण दीजिए।

4. 'संगीत पारिजात' में दिए गए संगीत में वाद्ययंत्र अध्याय का विवरण दीजिए।

5. 'जाति' की परिभाषा बताइए। प्राचीन संगीत में कितने प्रकार की जाति थीं ? उनका विस्तृत विवरण दीजिए।

6. प्राचीनकाल के दशविध राग वर्गीकरण को समझाइये।

7. पं. विष्णु नारायण भातखण्डे द्वारा प्रतिपादित 'थाट-राग' वर्गीकरण का विस्तृत विवरण दीजिए।

8. कल्याण तथा सारंग रागांग के लक्षणों की व्याख्या कीजिए।

9. पश्चिमी देशों में भारतीय संगीत के प्रचार-प्रसार में ए. एच. फॉक्स स्ट्रैंगवेज़ की भूमिका का वर्णन कीजिए।

10. भारतीय संगीत के पुनरुत्थान में राजा सौरीन्द्र मोहन टैगोर की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

11. पं. भातखण्डे द्वारा संगीत की बंदिशों के संग्रह के लिये किये गये प्रयासों के बारे में चर्चा कीजिए।

12. कब और कैसे 'बिलावल' के सप्तक को हिन्दुस्तानी संगीत में शुद्ध सप्तक की मान्यता मिली ? इसे विशद रूप से बताइये।

× × × × × × ×